रविवार 16 जून, 2019

विषय — भगवान मनुष्य के संरक्षक हैं

स्वर्ण पाठ: भजन संहिता 16: 1

"हे ईश्वर मेरी रक्षा कर, क्योंकि मैं तेरा ही शरणागत हूं।"

उत्तरदायी अध्ययन: भजन संहिता 119 : 48-52

48 मैं तेरी आज्ञाओं की ओर जिन में मैं प्रीति रखता हूं, हाथ फैलाऊंगा और तेरी विधियों पर ध्यान करूंगा॥
49 जो वचन तू ने अपने दास को दिया है, उसे स्मरण कर, क्योंकि तू ने मुझे आशा दी है।
50 मेरे दु: ख में मुझे शान्ति उसी से हुई है, क्योंकि तेरे वचन के द्वारा मैं ने जीवन पाया है।
51 अभिमानियों ने मुझे अत्यन्त ठट्ठे में उड़ाया है, तौभी मैं तेरी व्यवस्था से नहीं हटा।
52 हे यहोवा, मैं ने तेरे प्राचीन नियमों को स्मरण करके शान्ति पाई है।

पाठ उपदेश

बाइबल

1. **यशायाह 40 : 28-31**

28 क्या तुम नहीं जानते? क्या तुम ने नहीं सुना? यहोवा जो सनातन परमेश्वर और पृथ्वी भर का सिरजनहार है, वह न थकता, न श्रमित होता है, उसकी बुद्धि अगम है।
29 वह थके हुए को बल देता है और शक्तिहीन को बहुत सामर्थ देता है।

30 तरूण तो थकते और श्रमित हो जाते हैं, और जवान ठोकर खाकर गिरते हैं;
31 परन्तु जो यहोवा की बाट जोहते हैं, वे नया बल प्राप्त करते जाएंगे, वे उकाबों की नाईं उड़ेंगे, वे दौड़ेंगे और श्रमित न होंगे, चलेंगे और थकित न होंगे॥

2. भजन संहिता 140 : 1, 4, 6

1 हे यहोवा, मुझ को बुरे मनुष्य से बचा ले; उपद्रवी पुरूष से मेरी रक्षा कर,
4 हे यहोवा, मुझे दुष्ट के हाथों से बचा ले; उपद्रवी पुरूष से मेरी रक्षा कर, क्योंकि उन्होंने मेरे पैरों के उखाड़ने की युक्ति की है।
6 हे यहोवा, मैं ने तुझ से कहा है कि तू मेरा ईश्वर है; हे यहोवा, मेरे गिड़गड़ाने की ओर कान लगा!

3. I शमूएल 19 : 1-12

1 और शाऊल ने अपने पुत्र योनातन और अपने सब कर्मचारियों से दाऊद को मार डालने की चर्चा की। परन्तु शाऊल का पुत्र योनातन दाऊद से बहुत प्रसन्न था।
2 और योनातन ने दाऊद को बताया, कि मेरा पिता तुझे मरवा डालना चाहता है; इसलिये तू बिहान को सावधान रहना, और किसी गुप्त स्थान में बैठा हुआ छिपा रहना;
3 और मैं मैदान में जहां तू होगा वहां जा कर अपने पिता के पास खड़ा हो कर उस से तेरी चर्चा करूंगा; और यदि मुझे कुछ मालूम हो तो तुझे बताऊंगा।
4 और योनातन ने अपने पिता शाऊल से दाऊद की प्रशंसा करके उस से कहा, कि हे राजा, अपने दास दाऊद का अपराधी न हो; क्योंकि उसने तेरा कुछ अपराध नहीं किया, वरन उसके सब काम तेरे बहुत हित के हैं;
5 उसने अपने प्राण पर खेलकर उस पलिश्ती को मार डाला, और यहोवा ने समस्त इस्राएलियों की बड़ी जय कराई। इसे देखकर तू आनन्दित हुआ था; और तू दाऊद को अकारण मारकर निर्दोष के खून का पापी क्यों बने?
6 तब शाऊल ने योनातन की बात मानकर यह शपथ खाई, कि यहोवा के जीवन की शपथ, दाऊद मार डाला न जाएगा।
7 तब योनातन ने दाऊद को बुलाकर ये समस्त बातें उसको बताई। फिर योनातन दाऊद को शाऊल के पास ले गया, और वह पहिले की नाईं उसके साम्हने रहने लगा॥
8 तब फिर लड़ाई होने लगी; और दाऊद जा कर पलिश्तियों से लड़ा, और उन्हें बड़ी मार से मारा, और वे उसके साम्हने से भाग गए।
9 और जब शाऊल हाथ में भाला लिए हुए घर में बैठा था; और दाऊद हाथ से बजा रहा था, तब यहोवा की ओर से एक दुष्ट आत्मा शाऊल पर चढ़ा।
10 और शाऊल ने चाहा, कि दाऊद को ऐसा मारे कि भाला उसे बेधते हुए भीत में धंस जाए; परन्तु दाऊद शाऊल के साम्हने से ऐसा हट गया कि भाला जा कर भीत ही में धंस गया। और दाऊद भागा, और उस रात को बच गया।

11 और शाऊल ने दाऊद के घर पर दूत इसलिये भेजे कि वे उसकी घात में रहें, और बिहान को उसे मार डालें, तब दाऊद की स्त्री मीकल ने उसे यह कहकर जताया, कि यदि तू इस रात को अपना प्राण न बचाए, तो बिहान को मारा जाएगा।
12 तब मीकल ने दाऊद को खिड़की से उतार दिया; और वह भाग कर बच निकला।

4. मरकुस 6 : 34 (*से 4th* ,), 53-56

34 उस ने निकलकर बड़ी भीड़ देखी, और उन पर तरस खाया, क्योंकि वे उन भेड़ों के समान थे, जिन का कोई रखवाला न हो; और वह उन्हें बहुत सी बातें सिखाने लगा।
53 और वे पार उतरकर गन्नेसरत में पहुंचे, और नाव घाट पर लगाई।
54 और जब वे नाव पर से उतरे, तो लोग तुरन्त उस को पहचान कर।
55 आसपास के सारे देश में दोड़े, और बीमारों को खाटों पर डालकर, जहां जहां समाचार पाया कि वह है, वहां वहां लिए फिरे।
56 और जहां कहीं वह गांवों, नगरों, या बस्तियों में जाता था, तो लोग बीमारों को बाजारों में रखकर उस से बिनती करते थे, कि वह उन्हें अपने वस्त्र के आंचल ही को छू लेने दे: और जितने उसे छूते थे, सब चंगे हो जाते थे॥

5. II तीमुथियुस 4: 1, 2, 16 (*से* :), 17, 18 (*से 1st.*)

1 परमेश्वर और मसीह यीशु को गवाह कर के, जो जीवतों और मरे हुओं का न्याय करेगा, उसे और उसके प्रगट होने, और राज्य को सुधि दिलाकर मैं तुझे चिताता हूं।
2 कि तू वचन को प्रचार कर; समय और असमय तैयार रह, सब प्रकार की सहनशीलता, और शिक्षा के साथ उलाहना दे, और डांट, और समझा।
16 मेरे पहिले प्रत्युत्तर करने के समय में किसी ने भी मेरा साथ नहीं दिया, वरन सब ने मुझे छोड़ दिया था: भला हो, कि इस का उन को लेखा देना न पड़े।
17 परन्तु प्रभु मेरा सहायक रहा, और मुझे सामर्थ दी: ताकि मेरे द्वारा पूरा पूरा प्रचार हो, और सब अन्यजाति सुन ले; और मैं तो सिंह के मुंह से छुड़ाया गया।
18 और प्रभु मुझे हर एक बुरे काम से छुड़ाएगा, और अपने स्वर्गीय राज्य में उद्धार कर के पहुंचाएगा: उसी की महिमा युगानुयुग होती रहे।

6. कुलुस्सियों 3 : 2-4

2 पृथ्वी पर की नहीं परन्तु स्वर्गीय वस्तुओं पर ध्यान लगाओ।
3 क्योंकि तुम तो मर गए, और तुम्हारा जीवन मसीह के साथ परमेश्वर में छिपा हुआ है।
4 जब मसीह जो हमारा जीवन है, प्रगट होगा, तब तुम भी उसके साथ महिमा सहित प्रगट किए जाओगे।

7. II थिस्सलुनीकियों 3 : 3 (*यह*)

3 … प्रभु सच्चा है; वह तुम्हें दृढ़ता से स्थिर करेगा: और उस दुष्ट से सुरक्षित रखेगा।

8. भजन संहिता 62 : 5-8 (*से 1st .*), 11

5 हे मेरे मन, परमेश्वर के साम्हने चुपचाप रह, क्योंकि मेरी आशा उसी से है।
6 सचमुच वही मेरी चट्टान, और मेरा उद्धार है, वह मेरा गढ़ है; इसलिये मैं न डिगूंगा।
7 मेरा उद्धार और मेरी महिमा का आधार परमेश्वर है; मेरी दृढ़ चट्टान, और मेरा शरणस्थान परमेश्वर है।
8 हे लोगो, हर समय उस पर भरोसा रखो; उससे अपने अपने मन की बातें खोलकर कहो; परमेश्वर हमारा शरणस्थान है।
11 परमेश्वर ने एक बार कहा है; और दो बार मैं ने यह सुना है: कि सामर्थ्य परमेश्वर का है।

विज्ञान और स्वास्थ्य

1. 184 : 16-17

दिव्य बुद्धि द्वारा नियंत्रित, मनुष्य सामंजस्यपूर्ण और शाश्वत है।

2. 487 : 27-1

यह समझ कि जीवन ईश्वर है, आत्मा, जीवन की मृत्यु रहित वास्तविकता, उसकी सर्वशक्तिमानता और अमरता में हमारे विश्वास को मजबूत करके हमारे दिनों को लंबा कर देती है।

यह विश्वास एक समझे हुए सिद्धांत पर निर्भर करता है। यह सिद्धांत संपूर्ण रोगग्रस्त बनाता है, और चीजों के स्थायी और सामंजस्यपूर्ण चरणों को सामने लाता है।

3. 550 : 4-7

बात निश्चित रूप से मन के पास नहीं है। ईश्वर ही जीवन या बुद्धि है, जो जानवरों के साथ-साथ पुरुषों की व्यक्तित्व और पहचान को बनाता और संरक्षित करता है।

4. 151 : 20-30

वास्तविक मनुष्य का प्रत्येक कार्य ईश्वरीय मन द्वारा संचालित होता है। मानव मन को मारने या ठीक करने की कोई शक्ति नहीं है, और इसका भगवान के आदमी पर कोई नियंत्रण नहीं है। वह दिव्य मन जिसने मनुष्य को बनाया, वह अपनी छवि और समानता को बनाए रखता है। मानव मन भगवान के विपरीत है और इसे बंद करना चाहिए, जैसा कि सेंट पॉल ने घोषित किया है। वह सब जो वास्तव में मौजूद है, वह दिव्य मन और उसका विचार है, और इस मन में संपूर्ण प्राणी सामंजस्यपूर्ण और शाश्वत पाया जाता है। सीधे और संकीर्ण तरीके से इस तथ्य को देखना और स्वीकार करना है, इस शक्ति से उपजें, और सच्चाई के अग्रणी का पालन करें।

5. 218: 24-5

अचानक बर्खास्तगी के साथ, आप बीमारी पर विश्वास करेंगे। समझदारी या शक्ति के रूप में बुद्धिमान के रूप में मामले में विश्वास करने के प्रलोभन का विरोध करें।

शास्त्र कहते हैं, "जो यहोवा की बाट जोहते हैं....वे दौड़ेंगे और श्रमित न होंगे, चलेंगे और थकित न होंगे॥" नैतिक और शारीरिक रूप से उनके परिणामों में एक के रूप में थकान के क्षणों में इसे लागू करने से उस मार्ग का अर्थ विकृत नहीं होता है। जब हम होने के सत्य के लिए जागते हैं, तो सभी रोग, दर्द, कमजोरी, थकावट, दुःख, पाप, मृत्यु, अज्ञात होंगे, और नश्वर सपना हमेशा के लिए खत्म हो जाएगा। थकान का इलाज करने की मेरी विधि सभी शारीरिक बीमारियों पर लागू होती है, क्योंकि मन सर्वोच्च, पूर्ण और अंतिम होना चाहिए और यह है।

6. 387: 4-12, 19-32

यह कहने की हिम्मत कौन करता है कि वास्तविक माइंड को ओवरवर्क किया जा सकता है? जब हम मानसिक धीरज की अपनी सीमा तक पहुँचते हैं, तो हम निष्कर्ष निकालते हैं कि बौद्धिक श्रम को पर्याप्त रूप से दूर ले जाया गया है; लेकिन जब हमें पता चलता है कि अमर मन कभी सक्रिय है, और यह कि आध्यात्मिक ऊर्जा न तो बाहर पहन सकती है और न ही ईश्वर प्रदत्त शक्तियों और संसाधनों पर तथाकथित भौतिक कानून को लागू कर सकती है, हम सत्य में आराम करने में सक्षम हैं, अमरता के आश्वासन से ताज़ा, मृत्यु दर के विरोध में।

अनन्त अस्तित्व की वास्तविकताओं का पालन करके, — मृत्यु के जीवन के कानून के पालन में मृत्यु के कारण होने वाले असंगत दमन पर पढ़े जाने के कारण, और यह कि ईश्वर मनुष्य को अच्छा करने के लिए दंडित करता है, —

कोई भी प्रेम के किसी भी श्रम के परिणाम के रूप में पीड़ित नहीं हो सकता है, लेकिन इसके कारण मजबूत होता है। यह तथाकथित नश्वर दिमाग, गलत मामले का एक नियम है, जो सभी चीजों को अप्रिय बनाता है।

ईसाइयत का इतिहास अपने स्वर्गीय पिता, सर्वशक्तिमान दिमाग द्वारा मनुष्य पर समर्थित समर्थन और रक्षा शक्ति के उदात्त प्रमाण प्रस्तुत करता है, जो मनुष्य को विश्वास और समझ प्रदान करता है जिससे न केवल प्रलोभन से, बल्कि शारीरिक पीड़ा से बचाव किया जा सकता है।

7. 219: 24-28

जो लोग तत्वमीमांसा विज्ञान के माध्यम से ठीक हो जाते हैं, इलाज के सिद्धांत को समझ नहीं पाते हैं, वे इसे गलत समझ सकते हैं, और हवा या आहार के परिवर्तन के लिए अपनी वसूली को बाधित कर सकते हैं, केवल उनके कारण भगवान को सम्मान प्रदान नहीं कर सकते।

8. 516: 4-12

पदार्थ, जीवन, बुद्धि, सत्य और प्रेम, जो देवता का निर्माण करते हैं, उनकी रचना से परिलक्षित होते हैं; और जब हम विज्ञान के तथ्यों के प्रति कॉर्पोरल इंद्रियों की झूठी गवाही देते हैं, तो हम इस वास्तविक समानता और प्रतिबिंब को हर जगह देखेंगे।

ईश्वर सभी चीजों का, उसकी अपनी समानता पर पक्षपात करता है। जीवन अस्तित्व में परिलक्षित होता है, सत्यता में सत्य, अच्छाई में ईश्वर, जो अपनी शांति और स्थायित्व प्रदान करता है।

9. 246: 1-8, 20-31

मनुष्य एक पेंडुलम नहीं है, जो बुराई और भलाई, खुशी और दुःख, बीमारी और स्वास्थ्य, जीवन और मृत्यु के बीच झूलता है। जीवन और उसके संकायों को कैलेंडरों द्वारा मापा नहीं जाता है। सही और अमर उनके निर्माता की शाश्वत समानता है। मनुष्य किसी भी तरह से अपूर्णता से उठने वाले पदार्थ के कीटाणु से नहीं है और आत्मा को उसके मूल से ऊपर पहुंचाने का प्रयास कर रहा है।

उस अच्छे और सुंदर सभी को मापने और सीमित करने की त्रुटि को छोड़कर, आदमी थ्रीस्कोर वर्ष और दस से अधिक का आनंद ले सकता है और अभी भी अपनी ताक़त, ताजगी और वादे को बनाए रखेगा। अमर मन द्वारा शासित मनुष्य हमेशा सुंदर और भव्य होता है। प्रत्येक सफल वर्ष ज्ञान, सौंदर्य और पवित्रता को प्रकट करता है।

जीवन शाश्वत है। हमें इसका पता लगाना चाहिए, और इसके बाद प्रदर्शन शुरू करना चाहिए। जीवन और अच्छाई अमर है। आइए फिर हम उम्र और तुषार के बजाय अपने अस्तित्व के विचारों को प्रेम, ताजगी और निरंतरता में आकार दें।

10. 325: 10-19

कुलुस्सियों में (3: 4) पॉल लिखते हैं: "जब मसीह जो हमारा जीवन है, प्रगट होगा, तब तुम भी उसके साथ महिमा सहित प्रगट किए जाओगे।" जब आध्यात्मिकता को उसकी पूर्णता, निरंतरता और पराक्रम में समझा जाता है, तो मनुष्य को भगवान की छवि में पाया जाएगा। अपोस्टोलिक शब्दों का पूर्ण अर्थ यह है: तब मनुष्य अपने पिता के समान, जीवन में अविनाशी, परिपूर्ण हो जाएगा, "मसीह के साथ परमेश्वर में छिपा हुआ है", — सत्य के साथ ईश्वरीय प्रेम में, जहाँ मानवीय भावना ने मनुष्य को नहीं देखा।

11. 407: 24-28

अपने आदर्श के विपरीत अपने आदर्शों को अपने विचारों में उपस्थित होने दें। विचार का यह आधुनिकीकरण प्रकाश में लाता है, और दिव्य मन, जीवन को मृत्यु नहीं, आपकी चेतना में लाता है।

12. 340: 23-29

एक अनंत भगवान, अच्छा, पुरुषों और देशों को एकजुट करता है; मनुष्य के भाईचारे का गठन करता है; युद्ध समाप्त करता है; पवित्रशास्त्र पूरा करता है कि, "अपने पड़ोसी से अपने जैसा प्रेम करो;" बुतपरस्ती और ईसाई मूर्तिपूजा का सत्यानाश करता है, — सामाजिक, नागरिक, आपराधिक, राजनीतिक और धार्मिक क्षेत्रों में जो कुछ भी गलत है; लिंगों को बराबर करता है; मनुष्य पर शाप की घोषणा करता है, और कुछ भी नहीं छोड़ता है जो पाप कर सकता है, पीड़ित हो सकता है, दंडित हो सकता है या नष्ट हो सकता है।

दैनिक कर्तव्यों

मैरी बेकर एड्डी द्वारा

दैनिक प्रार्थना

प्रत्येक दिन प्रार्थना करने के लिए इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का कर्तव्य होगा: "तुम्हारा राज्य आओ;" ईश्वरीय सत्य, जीवन और प्रेम के शासन को मुझमें स्थापित करो, और मुझ पर शासन करो; और तेरा वचन सभी मनुष्यों के स्नेह को समृद्ध कर सकता है, और उन पर शासन करो!

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 4

उद्देश्यों और कृत्यों के लिए एक नियम

न तो दुश्मनी और न ही व्यक्तिगत लगाव मदर चर्च के सदस्यों के उद्देश्यों या कृत्यों को लागू करना चाहिए। विज्ञान में, दिव्य प्रेम ही मनुष्य को नियंत्रित करता है; और एक क्रिश्चियन साइंटिस्ट प्यार की मीठी सुविधाओं को दर्शाता है, पाप में डांटने पर, सच्चा भाईचारा, परोपकार और क्षमा में। इस चर्च के सदस्यों को प्रतिदिन ध्यान रखना चाहिए और प्रार्थना को सभी बुराईयों से दूर करने, भविष्यद्वाणी, न्याय करने, निंदा करने, परामर्श देने, प्रभावित करने या गलत तरीके से प्रभावित होने से बचाने के लिए प्रार्थना करनी चाहिए।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 1

कर्तव्य के प्रति सतर्कता

इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का यह कर्तव्य होगा कि वह प्रतिदिन आक्रामक मानसिक सुझाव से बचाव करे, और भूलकर भी ईश्वर के प्रति अपने कर्तव्य की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए, अपने नेता और मानव जाति के लिए। उनके कामों से उन्हें आंका जाएगा, — और वह उचित या निंदनीय होगा।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 6

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।